# Job

## Chapter 35

### Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

| 1 | וַיַּעַן | אֱלִיהוּ | וַיֹּאמַר׃ |
|---|---|---|---|
| | और-उत्तर-दिया | एलीहू-ने | और-कहा |
| | | H0453 | H0559 |

एलीहू कहता चला गया। वह बोला:

| 2 | הֲזֹאת | חָשַׁבְתָּ | לְמִשְׁפָּט | אָמַרְתָּ | צִדְקִי | מֵאֵל׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | क्या-यह | समझा-तूने | न्याय | कहा-तूने | धार्मिकता-मेरी | ईश्वर-से |
| | H2063 | H2803 | H4941 | H0559 | H6664 | H0410 |

“अय्यूब, यह तेरे लिये कहना उचित नहीं की ‘मैं अय्यूब, परमेश्वर के विरुद्ध न्याय पर है।’

| 3 | כִּי־ | תֹאמַר | מַה־ | יִּסְכָּן־ | לָךְ | מָה־ | אֹעִיל | מֵחַטָּאתִי׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कि | कहता-है-तू | क्या | लाभ-होता-है | तुझे | क्या | लाभ-होगा-मुझे | पाप-अपने-से |
| | | H0559 | H4100 | H5532 | | H4100 | H3276 | |

अय्यूब, तू परमेश्वर से पूछता है कि ‘हे परमेश्वर, मेरा पाप तुझे कैसे हानि पहुँचाता है और यदि मैं पाप न करुँ तो कौन सी उत्तम वस्तु मुझको मिल जाती है’

| 4 | אֲנִי | אֲשִׁיבְךָ | מִלִּין | וְאֶת־ | רֵעֶיךָ | עִמָּךְ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | मैं | उत्तर-दूँगा-तुझे | शब्द | और-को | मित्रों-तेरे | तेरे-साथ |
| | H0589 | H7725 | H4405 | H0853 | H7453 | |

“अय्यूब, मैं (एलीहू) तुझको और तेरे मित्रों को जो यहाँ तेरे साथ हैं उत्तर देना चाहता हूँ।

| 5 | הַבֵּט | שָׁמַיִם | וּרְאֵה | וְשׁוּר | שְׁחָקִים | גָּבְהוּ | מִמֶּךָּ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | देख | आकाश-को | और-देख | और-निहार | बादलों-को | ऊँचे-हैं | तुझसे |
| | H5027 | H8064 | H7200 | H7789 | H7834 | H1361 | |

अय्यूब! उपर देख आकाश में दृष्टि उठा कि बादल तुझसे अधिक उँचें हैं।

| 6 | אִם־ | חָטָאתָ | מַה־ | תִּפְעָל־ | בּוֹ | וְרַבּוּ | פְּשָׁעֶיךָ | מַה־ | תַּעֲשֶׂה־ | לּוֹ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | यदि | पाप-किया-तूने | क्या | करोगे | उसे | और-बहुत-हैं | अपराध-तेरे | क्या | करोगे | उसे |
| | | H2398 | H4100 | H6466 | | H7231 | H6588 | H4100 | | |

अय्यूब, यदि तू पाप करें तो परमेश्वर का कुछ नहीं बिगड़ता, और यदि तेरे पाप बहुत हो जायें तो उससे परमेश्वर का कुछ नहीं होता।

| 7 | אִם־ | צָדַקְתָּ | מַה־ | תִּתֶּן־ | לוֹ | אוֹ | מַה־ | מִיָּדְךָ | יִקָּח׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | यदि | धर्मी-है-तू | क्या | देगा | उसे | या | क्या | हाथ-तेरे-से | लेगा |
| | | H6663 | H4100 | H5414 | | | H4100 | H3027 | H3947 |

अय्यूब, यदि तू भला है तो इससे परमेश्वर का भला नहीं होता, तुझसे परमेश्वर को कुछ नहीं मिलता।

| 8 | לְאִישׁ־ | כָּמוֹךָ | רִשְׁעֶךָ | וּלְבֶן־ | אָדָם | צִדְקָתֶךָ׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | पुरुष-को | तेरी-तरह-के | दुष्टता-तेरी | और-पुत्र-को | मनुष्य-के | धार्मिकता-तेरी |
| | H0376 | H3644 | H7562 | | H0120 | H6666 |

अय्यूब, तेरे पाप स्वयं तुझ जैसे मनुष्य को हानि पहुँचाते हैं, तेरे अच्छे कर्म बस तेरे जैसे मनुष्य का ही भला करते हैं।

| 9 | מֵרֹב | עֲשׁוּקִים | יַזְעִיקוּ | יְשַׁוְּעוּ | מִזְּרוֹעַ | רַבִּים׃ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | बहुताई-से | सताए-गए | दोहाई-देते-हैं | चिल्लाते-हैं | भुजा-से | शक्तिशालियों-की |
| | H7230 | H6217 | H2199 | H7768 | H2220 | |

“लोगों के साथ जब अन्याय होता है और बुरा व्यवहार किया जाता है, तो वे मदद को पुकारते हैं, वे बड़े बड़ों की सहायता पाने को दुहाई देते हैं।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 10 | וְלֹא־ | אָמַר | אַיֵּה | אֱלוֹהַ | עֹשָׂי | נֹתֵן | זְמִרוֹת | בַּלָּיְלָה׃ |
| | और-नहीं | कहता-है | कहाँ | ईश्वर | बनानेवाला-मेरा | देनेवाला | गीतों-को | रात-में |
| | H3808 | H0559 | H0335 | H0433 | | H5414 | H2158 | H3915 |

किन्तु वे परमेश्वर से सहायता नहीं माँगते। हीं कहते हैं कि, 'परमेश्वर जिसने हम को रचा है कहाँ है परमेश्वर जो हताश जन को आशा दिया करता है वह कहाँ है?'

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 11 | מַלְפֵּנוּ | מִבַּהֲמוֹת | אֶרֶץ | וּמֵעוֹף | הַשָּׁמַיִם | יְחַכְּמֵנוּ׃ |
| | सिखानेवाला-हमें | पशुओं-से | पृथ्वी-के | और-पक्षियों-से | आकाश-के | बुद्धिमान-करता-है-हमें |
| | H0502 | H0929 | H0776 | H5775 | H8064 | H2449 |

वे ये नहीं कहा करते कि, 'परमेश्वर जिसने पशु पक्षियों से अधिक बुद्धिमान मनुष्य को बनाया है वह कहाँ है'

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 12 | שָׁם | יִצְעֲקוּ | וְלֹא | יַעֲנֶה | מִפְּנֵי | גְּאוֹן | רָעִים׃ |
| | वहाँ | दोहाई-देते-हैं | और-नहीं | उत्तर-देता-है | कारण | घमंड-के | दुष्टों-के |
| | H8033 | H6817 | H3808 | | H6440 | H1347 | |

"किन्तु बुरे लोग अभिमानी होते है, इसलिये यदि वे परमेश्वर की सहायता पाने को दुहाई दें तो उन्हें उत्तर नहीं मिलता है।

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 13 | אַךְ־ | שָׁוְא | לֹא־ | יִשְׁמַע | אֵל | וְשַׁדַּי | לֹא | יְשׁוּרֶנָּה׃ |
| | केवल | झूठ | नहीं | सुनता-है | ईश्वर | और-सर्वशक्तिमान | नहीं | देखता-उसे |
| | H0389 | H7723 | H3808 | H8085 | H0410 | H7706 | H3808 | H7789 |

यह सच है कि परमेश्वर उनकी व्यर्थ की दुहाई को नहीं सुनेगा। सर्वशक्तिशाली परमेश्वर उन पर ध्यान नहीं देगा।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 14 | אַף | כִּי־ | תֹאמַר | לֹא | תְשׁוּרֶנּוּ | דִּין | לְפָנָיו | וּתְחוֹלֶל | לוֹ׃ |
| | भी | जब | कहता-है-तू | नहीं | देखता-है-उसे-तू | मुकद्दमा | उसके-सामने | और-प्रतीक्षा-कर | उसकी |
| | H0637 | | H0559 | H3808 | H7789 | H1779 | H6440 | | |

अय्यूब, इसी तरह परमेश्वर तेरी नहीं सुनेगा, जब तू यह कहता है कि वह तुझको दिखाई नहीं देता और तू उससे मिलने के अवसर की प्रतीक्षा में है, और यह प्रमाणित करने की तू निर्दोष है।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 15 | וְעַתָּה | כִּי־ | אַיִן | פָּקַד | אַפּוֹ | וְלֹא־ | יָדַע | בַּפֶּשַׁע | מְאֹד׃ |
| | और-अब | कि | नहीं | दंडित-किया | क्रोध-अपने-से | और-नहीं | जाना | अहंकार-को | बहुत |
| | H6258 | | H0369 | | H0639 | H3808 | H3045 | H6580 | H3966 |

"अय्यूब, तू सोचता है कि परमेश्वर दुष्टों को दण्ड नहीं देता है और परमेश्वर पाप पर ध्यान नहीं देता है।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 16 | וְאִיּוֹב | הֶבֶל | יִפְצֶה־ | פִּיהוּ | בִּבְלִי־ | דַּעַת | מִלִּין | יַכְבִּר׃ | פ |
| | और-अय्यूब | व्यर्थ | खोलता-है | मुंह-अपना | बिना | ज्ञान | शब्द | बढ़ाता-है | — |
| | H0347 | H1892 | H6475 | H6310 | H1097 | H1847 | H4405 | H3527 | |

इसलिये अय्यूब निज व्यर्थ बातें करता रहता है। अय्यूब ऐसा व्यवहार कर रहा है कि जैसे वह महत्वपूर्ण है। check किन्तु यह देखना कितना सरल है कि अय्यूब नहीं जानता कि वह क्या कह रहा है।"